Regarding the issue of discontinuation of certain benefits provided to the Members of Parliament

डॉ. एस. टी. हसन (मुरादाबाद) : सर, आपका बहुत-बहुत शुक्रिया कि आपने मुझे बोलने का मौका दिया।

सर, मेरा विषय हम सब सांसदों का विषय है। मैं आपसे बड़े अफसोस के साथ कहना चाहता हूं कि 17 वीं लोक सभा में सांसदों के बहुत से प्रोटोकॉल और अधिकारों को खत्म कर दिया गया है।

सर, मैं आपसे यह कहना चाहता हूं कि सांसद निधि, जो हमारी पांच करोड़ रुपए है और विधायकों की भी पांच करोड़ रुपए है। हमारे पास पांच विधान सभा क्षेत्र हैं और विधायक के पास एक विधान सभा क्षेत्र है। ?सोना पर सुहागा? यह है कि हमारी दो सालों की निधि भी रोक दी गई, जबकि आदरणीय सीतारमण जी ने ? (व्यवधान)

माननीय सभापति : वह तो राष्ट्रीय संकट था। राष्ट्रीय संकट के कारण उसे रोका गया था।

? (व्यवधान)

डॉ. एस. टी. हसन : सर, माननीय सीतारमण जी ने कहा था कि इसे पोस्टपोन कर रहे हैं। हम फास्ट ग्रोइंग इकोनॉमी, फाइव ट्रिलियन इकोनॉमी की तरफ जा रहे हैं, फिर आखिर यह काम क्यों किया गया?

सर, मैं आपसे कहना चाहता हूं कि एम्स के अंदर सांसदों के प्रोटोकॉल को कम कर दिया गया है। अगर सांसद एम्स में जाता है, तो उसको एक आम आदमी की तरह ही वहां ट्रीट किया जाएगा, जबकि पहले ऐसा नहीं हुआ करता था। ? (व्यवधान)

सर, हमने डिमांड की थी कि सेंट्रल स्कूल के अंदर हमें 25 एडमिशन्स की इजाजत दी जाए, ताकि हम गरीब बच्चों को वहां भेज सकें। इजाज़त तो क्या, हमारा वह अधिकार भी खत्म कर दिया गया।

महोदय, हम कभी-कभी मिलिट्री डिस्पोजल के व्हीकल ले लिया करते थे। वे सांसदों को दिए जाते थे। वह भी खत्म कर दिया गया।

महोदय, मेरी एक रिक्वेस्ट है कि सांसद से ज्यादा कोई नहीं जानता कि उसके क्षेत्र का कौन सा अधिकारी ईमानदार है, कौन सा अधिकारी भ्रष्ट है या कौन सा अधिकारी साम्प्रदायिक भावनाओं से काम करता है। जिस तरह से एक मेयर अपने सिटी कमिश्नर की सी.आर. लिखता है, उसकी सर्विस रिपोर्ट लिखता है, उसी तरह से सांसदों को भी यह अधिकार दिया जाए कि वे अपने क्षेत्र के अधिकारियों की सर्विस रिपोर्ट लिखें।

माननीय सभापति: जी-जी।

डॉ. एस. टी. हसन : सर, हमने देखा है कि अगर हम किसी बात की सिफारिश करते हैं तो हमें नियम बता दिए जाते हैं। महीने भर बाद वह आदमी हमारे पास आता है कि मैंने यह काम करा लिया। वह काम उसने किस तरह से करा लिया, यह हमें और आपको सभी को मालूम है।

माननीय सभापति **:** डॉ. साहब, ठीक है।

डॉ**.** एस**.** टी**.** हसन **:** सर, मुझे एक सेकेंड का समय दीजिए। ...

माननीय सभापति: नो-नो।

डॉ. शशि थरूर जी।